ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

18-10-2024

प्लैन और प्रैक्टिकल को समान बनाने के लिए स्मृति में प्लेन, वाणी में भी प्लेन और कर्म में भी प्लेन अर्थात् श्रेष्ठता हो। कोई भी पुराने संस्कार का कहाँ दाग न हो। जब ऐसे प्लेन हो जायेंगे तब प्लैन और प्रैक्टिकल एक हो जायेंगे। फिर सफलता एरोप्लेन की मुआफ़िक उड़ेगी।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

In order to make your plans and what you put into practice be equal, be plain in your awareness, plain in your words and plain in your actions, that is, let there be greatness. Let there not be any stains of old sanskars. When you become plain in this way, then your plans and what you put into practice will become the same. Then success will fly to you like an aeroplane.